नारायण सेवा संस्थान

नर सेवा नारायण सेवा

अन्तर्राष्ट्रीय सेवा सम्मान समारोह एवं विशाल नि:शुल्क दिव्यांग व निर्धन समूहिक विवाह समारोह

सेवाधाम सेवानगर, हिरण मगरी सेक्टर-4, उदयपुर (राज.) 313002

Contact us : 9649499999 0294-6622222/3990000

/nssudaipur /narayansevasansthan /@narayanseva_ narayansevasansthan

Web: www.narayanseva.org info@narayanseva.org

आयोजक

नारायण सेवा संस्थान,

उदयपुर एवं

सेवा परमोधर्म ट्रस्ट, उदयपुर

कैलश 'मानव'
संस्थापक चेयरमेन

सेवक : प्रशान्त भैया
अध्यक्ष

संकल्प एवं शोध

परम श्रद्धेय 'सेवक' प्रशान्त भैया

अध्यक्ष ना.से.सं , उदयपुर

एवं

संस्थापक सेवा परमोधर्म ट्रस्ट, उदयपुर

उद्देश्य एवं प्रस्तावना

शारीरिक विकलांगजनो एवं निर्धन–निसहायजनों को अपनत्व का सहारा देकर खुशहालीपूर्ण जीवन भेंट करना । गरीब व अनाथजन जो अपनी वैवाहिक जीवन की कल्पना ही नहीं कर सकते , उन्हें परिणय–सूत्र में बंधकर समाज की मुख्य धरा से जोड़कर अधिकार पूर्ण मानवीय जीवन का आनंद प्रदान करना प्रमुख प्रयास है।

अंगवीहीन, गरीब, निर्धन एवं असहाय भाइयों एवं बहिनों को मंगल परिणय में बांधकर उनके गमों को बांटने का संकल्प हैं संस्थान का । ताकि उन्हें भी समाज में एक सम्मान पूर्ण जीवन जीने का अधिकार मिल सकें ।

समारोह स्वरुप - व्यवस्ता और तैयारियां

- दो दिवसीय विवाह समारोह होता हैं ।
- सबसे पहले लक्ष्य तय किया जाता है कितने जोड़ों के हाथ पीले करने है ।
- जोड़ों की संख्या के आधार पर स्थान की बुकिंग करनी होती हैं ।
- स्थान का सर्वे संस्थान की अनुभवी टीम द्वारा किया जाता है ।
- जोड़ों एवं परिजनों की रुकने की व्यवस्था विवाह स्थल के करीब करनी होती हैं ।
- विवाह में दानदाताओं को भी आमंत्रित किया जाता है ..... अन्य स्थान से पधारने वाले दानदाताओं को भी रुकवाने की व्यवस्था देनी होती हैं ।
- विवाह समारोह में संस्थान की 80 सदस्य टीम 03 दिवस तक सेवायें देंगी । इन् साधकों के रुकने की व्यवस्था एवं भोजन व्यवस्था भी नजदीक में देनी होती हैं ।
- स्थान एवं जोड़ों के आधार पर हमें यह तय करना होता है कितने जनों की व्यवस्था करनी हैं ।
- कार्यक्रम हॉल में होगा या डोम में सुव्यवस्थित व्यवस्था को अंजाम देना हैं ।
- यातायात व्यवस्था किस तरह रहेगी ।
- होटल एवं भोजन की भी पूर्व तैयारी ।
- विवाह से सम्बन्धित भोजन , शूटिंग , पणिग्रहण पंडित व्यवस्था , सम्मान समारोह , मेहन्दी रस्म बिन्दौली आदि की पूर्व रुपरेखा जरुरी ।

सामूहिक विवाह के मुख्य कार्य

1. आमंत्रण कार्ड

- दानदातागण एवं नये समाज सेवकों को बुलाना ।
- वी.आई.पी लोगों को आमंत्रण ।
- राजनीतिज्ञ एवं फिल्मस्टार आदि ।

2 प्रशासनिक स्वीकृति–

- विवाह समारोह की व्यवस्था के लिये यातायात, सुरक्षा, सफाई नगर निगम की अनुमतियाँ आवश्यक । आपात काल व्यवस्था जैसे अग्निशमन की व्यवस्था रहती है ।

3 अखबार एवं टी.वी पर विज्ञापन–

- विवाह समारोह की सफलता के लिये गरीब जोड़ों को जागरूक करने एवं दानदाताओं को अपील करने बाबत् विज्ञापन करना आवश्यक हैं ।

4 होर्डिग एवं वाहन से प्रचार–

- विभिन्न बड़े शहरों में 10–10 होर्डिंग लगाये जाते हैं ।
- जोड़ों की संख्या के लिए 10 वाहनों से ग्रामीण क्षेत्रो में प्रचार किया जाता हैं ।

5 समारोह के दो दिनों में भोजन–

- दो दिवस में अतिथियों एवं वर–वधु परिजनों की व्यवस्था से लगभग 800 व्यक्ति एक समय का भोजन बनेगा । जो की 4 समय में लगभग 3200 प्लेट भोजन व 4,000 प्लेट नाश्ता ओर चाय कोफी की उचित व्यवस्था करनी होती है ।

6 केटरिंग व्यवस्था–

- 3000 जनों की केटरिंग बुकिंग एवं हलवाई को ठेका देना होता है ।

7 जल व्यवस्था–

- भोजन व्यवस्था एवं पेयजल की व्यवस्था में समुचित व्यवस्था होवें ।

8 जोड़ों की आवा–जाही व्यवस्था–

- जोड़ों के अनुसार बसों के माध्यम से उनके क्षेत्रों से गरीब वर–वधुओं को लाना ले जाना होता हैं ।
- करीब 10 बसों की व्यवस्ता करनी होती है ।

9 आवास–

- वर–वधु व उनके परिजन ।
- साधक आवास ।
- अतिथि आवास ।
- मैनजमेंट टीम आवास।

10 टेंट / हॉल व्यवस्था–

- लगभग 200 X 80 के 2 अलग–अलग पण्डाल होते है । जिसमे एक में समारोह होता है दुसरे में भोजन रहेगा ।
- लगभग 200 X 80 वर्ग फीट की जगह में सम्मान एवं पाणिग्रहण समारोह होगा इसमें मंच, वेदी, कुर्सी, कारपेट, गद्दे, सजावट, टेबल, आदि सामग्री भी रहेगी ।
- स्टेज, रेम्प, उपहार स्टेज, सोफे, संगीत टीम स्टेज, पोडियम, मंदिर, रजिस्ट्रेशन, कक्ष–3, सहयोग कक्ष–2, जल स्टेंड–5, 20 X 10 एलईडी, शूटिंग टेबल, केमरामेन, टेबल, दीपक, गद्दे, वेदी, भोजन हेतु चेयर–टेबल आदि ।

11 सुन्दरता के लिये लाइटिंग–

- भव्य समारोह की शूटिंग, फोटोग्राफी के लिए लाइटिंग एवं झूमर, मर्करी, हेलोजन आदि लगेगी ।

12 समारोह के लिये पार्किंग–

- समारोह स्थल के आस–पास में पार्किंग की सुनिश्चित व्यवस्था आवश्यक है क्योंकी वर–वधुओं एवं दानदाताओं को असुविधा का सामना न करना पड़े ।

13 जनरेटर व्यवस्था–

- समारोह के सफलतापूर्वक संचालन के लिए लगभग 200 केवी का एक जनरेटर सेट चाहिए ।

14 साउण्ड व्यवस्था–

- परिसर में कार्यक्रम को आनन्ददायक बनाने हेतु संगीत साउण्ड सेट–अप लगेगा 03 दिवस तक ।

15 आपदा व्यवस्था–

- सुरक्षा एजेंसी एवं अग्निशमन वाहन की व्यवस्था करवानी होगी ।
- 24 घंटे 2 दिन अग्निशमन तथा लगभग 10 सिकुरिटी वाले 4 दिवस तक ।

16 सफल जोड़ों को आमंत्रण–

- कार्यक्रम की गरिमा एवं सफलता के लिए पूर्व में जो–जो यहाँ पर विवाह करके गये है उन् जोड़ों को बुलाते हैं । ताकि आये हुए दानदाताओं को अपनी वैवाहिक जीवन अपनी जुबान से बता सकें ।

17 स्वागत एवं सम्मान बालिकाएं–

- विशाल समारोह में हर एक वयक्ति का अच्छा स्वागत सत्कार हो इसलिए भारतीय संस्कृति की परम्परा के अनुसार तिलक और सम्मान करने हेतु 2 बहनों की व्यवस्था 8–8 घंटे रहेगी ।

18 अतिथियों का सम्मान–

- लगभग 700 दानदाताओं का सम्मान इस समारोह में होगा । यह व्यवस्था संस्थान अपने स्तर पर प्रतिक चिन्ह, दुपट्टे, शॉल एवं अभिनंदन पत्र उदयपुर से समारोह स्थल पर सीधे भेज देगा ।

19 फोटो एवं वीडियो वितरण–

- दो दिवस की फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी की कॉपी सीडी/डीवीडी में समारोह के समापन अवसर पर संस्थान द्वारा भेंट की जाती हैं ।

20 बिन्दोली में बग्गीयाँ–

- विवाह समारोह के दिन वर–वधुओं को बग्गीयों में बिठाकर शहर के मुख्य क्षेत्रों से होते हुए तौरण मारने हेतु लाया जायेगा । बग्गीयों की व्यवस्था जोड़ों के अनुसार करनी होगी । एक बग्गी में दो जोड़ें बैठेंगे ।

21 प्रेस कांफ्रेन्स–

- समारोह की जानकारी जन–जन में पहुचें इसलिए समारोह दिवस के दो दिन पूर्व प्रेस वार्ता आयोजित करनी होती है जिसमे पत्रकारों को सुचना दी जायगी इसमें भोजन मय सेवा रहेगी ।

22 वर–वधु ड्रेसे (बरियाँ)–

- शादी की रस्म पर संस्थान किराये पर वर–वधुओं की बरियाँ मंगवाती है ।
- 2 दिन बाद वर की ड्रेसो को जमा करा दिया जाता हैं और वधुओं को दे दी जाती हैं ।

23 श्रृंगार (वर–वधु)–

- विवाह का मुख्य आकर्षण होता है –श्रृंगार ।
- मेरी दुल्हन सुन्दर वाली । मेरा दूल्हा स्मार्ट हैं ।
- इसलिए इन अविस्मर्णीय क्षेत्रों में ब्यूटी पार्लर की व्यवस्था संस्थान करेगी ।

24 वेदी और पंडित व्यवस्था–

- जितने जोड़ें उतने पंडित उतनी वेदी । संस्थान द्वारा इन आचार्यगणों को वृन्दावन से दक्षिणा पर बुलाया जाता हैं । वेदी की व्यवस्था किराये पर करनी होगी ।

25 उपहार सामग्री–

- जोड़ों की संख्या के आधार उपहार सामग्री सज्जित करनी होती हैं प्रत्येक को अनुमानित 10,000 रु की सामग्री दी जाती हैं ।

26 बैंण्ड व्यवस्था–

- दो दिवस बैंण्ड की व्यवस्था रहती हैं । बिन्दोली में ट्रोली वाला बैंण्ड 25 आदमी वाला तथा 11 आदमी वाला सामान्य समय में रहेगा ।

27 सफाई व्यवस्था–

- 10 सदस्य सफाईकर्मी विवाह उत्सव में रहेंगे जो समारोह परिसर को साफ सुथरा रखेंगे । संस्थान अपनी एजेंसी से सफाई की व्यवस्था करायेगी ।

28 विडियोग्राफी एवं फोटोग्राफी टीम–

- संस्थान में कार्यरत विडियो शूटिंग सेटअप और फोटोग्राफी सेटअप समारोह में उदयपुर से पहुचेगा।

29 विशेष प्रसारण–

- इस समारोह का विशेष प्रसारण आस्था/संस्कार चौनल पर 2 घंटे प्रसारित किया जायेगा इसका भुगतान संस्थान स्वयं करेगा । दिनांक चौनल अपनी उपलब्धता के आधार पर देगा ।

30 स्मारिका विवाह–

- संस्थान इस विवाह समारोह को यादगार बनाने के लिए जोड़ों एवं दानदाताओं सौजन्यदाताओं की सम्पूर्ण विवरण डालकर स्मृति पुस्तक का प्रकाशन करता हैं । जिसकी 1000 प्रतियाँ निकलेगी । यह संस्थान द्वारा प्रकाशित होगी ।

31 चौनल/सेवा संदीपन–

- हमारी मासिक पुस्तिका "सेवा संदीपन" जिसकी 5 लाख प्रतियाँ निकलती हैं । इसमें विवाह समारोह का 4 माह पूर्व से प्रचार प्रारम्भ हो जायेगा तथा हमारे 22 चौनल पर ऐड शुरू कर दिया जायेगा । समारोह के बाद भी 7 दिन का भरपुर कवरेज दिया जायेगा ।

32 अन्य व्यवस्था–

- समारोह में आने वाले वीआईपी को मंच पर आशीर्वाद हेतु बुलाया जायेगा । उसका आशीर्वाद मंच फोटोग्राफ खींचे जायेंगे ।

- संस्थान द्वारा सम्मानित साधू–संतो को आशीर्वाद समारोह में बुलाया जायेगा ।

- सौजन्यकर्ता एवं मुख्यदाताओं का शुभ नाम मंच से प्रसारित होंगे ।

- संस्थान के एंकर द्वारा सौजन्यकर्ता की संक्षिप्त जीवनी भी दोनों दिवस बताई जायेगी ।

- महिला संगीत एवं मेहन्दी रस्म में सौजन्यकर्ता परिवार के सदस्य बढ़–चढ़कर हिस्सा लेंगे ।

- इसके अलावा इस समारोह को हाईलाईट करने के लिए एसएमएस/ई–मेल/फेसबुक/वेबसाईट/लाईव टेलिकास्ट में भरपूर आमंत्रण एवं प्रचार किया जायेगा ।

- संसथान से करीब 8 लाख दानीजन जुड़े है द्य इनमे से विशेष स्नेह रखने वाले निमियत 3 लाख दानदाताओं को आमंत्रण पत्र और मनुहार पत्र संसथान द्वारा भेजे जायेंगे ।

- समाहरो का लाइव फेसबुक / ट्विटर पर होगा द्य

- समाहरो की जागरूकता के लिए स्पोंसरड एड रुपया 2 लाख तक सोशल मीडिया पर चलाया जायेगा ।

- समाहरो को गरिमामय बनाने एवं व्यस्थित सम्पन करवाने के लिए पूज्य प्रशांत अग्रवाल स्वय उपस्तित रहते है ।

विवाह की झलकियां

धन्यवाद